मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4 **BHDC–133**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य)

(सी.बी.सी.एस.) (बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एच.डी.सी.–133 : आधुनिक हिंदी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **पहला** प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) नई नई नित तान सुनावै

अपने जाल में जगत फँसावै

नित नित हमै कराई बल सून

क्यों सखि साजन नहीं कानून।

(ख) गये लौट भी वे आयेंगे,

कुछ अपूर्व अनुपम लायेंगे,

रोते प्राण उन्हें पायेंगे,

पर क्या गाते–गाते ?

सखि, वे मुझसे कहकर जाते।

(ग) अमर्त्य वीरपुत्र हो, दृढ़–प्रतिज्ञ सोच लो,

प्रशस्त्र पुण्य पन्थ है–बढ़े चलो, बढ़े चलो।

असंख्य कीर्ति–रश्मियाँ, विकीर्ण दिव्य दाह–सी

सपूत मातृभूमि के रुको न शूर साहसी।

(घ) पेट–पीठ दोनों मिलकर हैं एक,

चल रहा लकुटिया टेक,

मुट्‌ठीभर दाने को–भूख मिटाने को

मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता–

दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।

(ङ) दूसरी होगी कहानी,

शून्य में जिसके मिटे स्वर, धूलि में खोई निशानी,

आज जिस पर प्रलय विस्मित,

मैं लगाती चल रही नित,

मोतियों की हाट औ'

चिनगारियों का एक मेला !

2. भारतेन्दु युगीन हिन्दी काव्य की विशेषताएँ बताइए। 16

3. द्विवेदी–युग पर प्रकाश डालते हुए उस युग के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए। 16

4. 'प्रिय प्रवास' का परिचय देते हुए उसका महत्व भी बताइए। 16

5. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में अभिव्यक्त नारी सम्मान की भावना को रेखांकित कीजिए। 16

6. 'छायावाद' पर एक संक्षिप्त निबन्ध लिखिए। 16

7. जयशंकर प्रसाद की इतिहास–दृष्टि और राष्ट्रीय–चेतना पर प्रकाश डालिए। 16

8. निराला–काव्य की विशेषताओं को उद्घाटित कीजिए। 16

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 8 = 16$

(क) पंत की काव्यानुभूति

(ख) महादेवी वर्मा की मूल्य–चेतना

(ग) रामनरेश त्रिपाठी का प्रकृति–प्रेम

(घ) प्रतापनारायण मिश्र

× × × × ×